UGC NET

DAILY 12:00 PM

FILLERFORM LIVE NTA UGC NET 2022

हिंदी साहित्य (PAPER-2)

हिंदी नवजागरण

इकाई-4 (भाग-2)

BY JYOTI MA'AM

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

1 5 K Sub

YouTube

2000 users

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

Join UGC NET Quiz

- **09:30 AM- GK**
- **11:50 AM- Paper 1st**
- **02:50 PM- Paper 1st PYQ**
- **05:00 PM- 2nd Paper**
- **09:50 PM- Math MCQ**

www.ugc-net.com

8209837844 Congratulations www.ugc-net.com

Rank		Name	Coin	S
1		Priyanka	48.0038	2
2		Sandhya Jayasaval	32.0036	2
3		Shubhankar Kar	26.0086	2
4		Nidhi	8.0014	2
5		Priya Gautam	8.0012	2
6		Sunita Thakur	8.0010	2
7		Muskan Singh	6.0009	2
8		Ravina Pawar	4.0023	2
9		Reena Yadav	2.0004	2
10		Kiran Puri	0.0000	2

UGC NET Giveaway

Question ::
समीक्षा की पहली किताब आलोचना-ग्रन्थ के लेखक हैं:

- अशोक वाजपेयी
- विष्णु खरे
- देवीशंकर अवस्थी
- डॉ. मैनेजर पांडेय

विष्णु खरे

Question ::
आलोचक डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त ने हिंदी की प्रथम कहानी किसे मानी हैं?

- इन्दुमती
- गयारह वर्ष का समय
- रानी केतकी की कहानी
- दुलाई वाली

रानी केतकी की कहानी

Question ::
प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नांकित हिन्दी उपयासों का सही अनुक्रम कौन सा हैं:

- मृगनयनी - अंतिम आकांक्षा- शेखर एक जीवनी- दिव्या
- अंतिम आकांक्षा - दिव्या - मृगनयनी शेखर एक जीवनी
- दिव्या - मृगनयनी - अंतिम आकांक्षा - शेखर एक जीवनी
- अंतिम आकांक्षा - शेखर एक जीवनी - दिव्या - मृगनयनी

अंतिम आकांक्षा - शेखर एक जीवनी - दिव्या - मृगनयनी

Question ::
निम्न युद्धभूमि की पृष्ठभूमि पर आधारित हिंदी उपन्यास नहीं हैं: /

- कितने पाकिस्तान
- धूपछाँही रंग
- लाट की वापसी
- मंगल भवन

कितने पाकिस्तान

Question ::
निम्नलिखित निबंधकार को भाषा का जादूगर कहा जाता हैं?

- गुलाबराय
- बालकृष्ण भट्ट
- शिवपूजन सहाय
- श्यामसुंदर दास

शिवपूजन सहाय

Question ::
वैष्णव पत्रिका के संपादक कौन थे?

- अम्बिकादत व्यास /
- सुधाकर द्विवेदी /
- राधाचरण गोस्वामी /
- किशोरीलाल गोस्वामी /

अम्बिकादत व्यास /

Question ::
हिंदी की पहली महिला पत्रिका मानी जाती हैं?/

- सुगृहिणी
- माया
- बालबोधिनी
- गृह शोभा

बालबोधिनी

Question ::
कौन सी पत्रिका का संपादन राजा राममोहन राय ने नहीं किया हैं?

- बंगवासी
- मिरातुल अखबार
- संवाद कौमुदी
- बंगदूत

बंगवासी

Question ::
पहला उर्दू समाचार पत्र किसे माना जाता हैं:

- जाए-ए-जहान-नामा
- सैयद उल अखबार
- हिन्दुस्तानी शान-ए-हिन्दू
- अनीश-ए-हिन्द

जाए-ए-जहान-नामा

Question ::
निम्न हिंदी की प्रथम जासूसी पत्रिका हैं?

- उपन्यास
- जासूस
- गुप्तकथा
- उपन्यास-लहरी

गुप्तकथा

Question ::
कौन सी पत्रिका का संपादन राजा राममोहन राय ने नहीं किया हैं?

- बंगवासी
- मिरातुल अखबार
- संवाद कौमुदी
- बंगदूत

बंगवासी

8209837844

www.ugc-net.com

हिंदी नवजागरण

8209837844

हिंदी नवजागरण

www.ugc-net.com

1.भारतीय समाज में बदलाव की नई चेतना (भारतीय नवजागरण) ब्रिटिश शासन के शोषण और दमनकारी प्रतिक्रिया से उत्पन्न संस्कृतिक टकराव का ही परिणाम थी जिसे भारतीय इतिहास में 1857 की क्रांति का ही नाम से जाना जाता है|

2. 1857 के विद्रोह का प्रमुख राजनीतिक कारण ब्रिटिश सरकार की 'गोद निषेध प्रथा' या 'हड़प नीति' थी। यह अंग्रेजों की विस्तारवादी नीति थी जो ब्रिटिश भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी के दिमाग की उपज थी। कंपनी के गवर्नर जनरलों ने भारतीय राज्यों को अंग्रेजी साम्राज्य में मिलाने के उद्देश्य से कई नियम बनाए।

3. 1857 के इस प्रथम संग्राम में देश की स्वाधीनता के लिए भारतीय जनता नए बदलाव की ओर अग्रसर हुई|

8209837844 www.ugc-net.com

4. इनके संघर्ष से पैदा हुई इस नवीन चेतना को डॉ रामविलास शर्मा ने भारतीय नवजागरण का गोमुख माना था |

5. वास्तव में नवजागरण सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक जीवन में व्यापक परिवर्तन और सुधार की एक प्रक्रिया थी|

6. भारत में नवजागरण की चेतना सर्वप्रथम बंगाल में प्रचलित हुई थी और देखा जाए तो बांग्ला नवजागरण मे भारतीय नवजागरण में कुछ इसी तरह भूमिका निभाई जिस प्रकार यूरोपीय रेनेसां में इटली ने|

8209837844 www.ugc-net.com

7. किंतु ऐसा अकारण ही नहीं हुआ क्योंकि वास्तव में ब्रिटिश शासन बुजुर्गों अर्थतंत्र और पश्चिम की आधुनिक संस्कृति के प्रभाव सर्वप्रथम बंगाल में महसूस किए गए एक नवीन चेतना का प्रफुल्लित होना स्वाभाविक था|
8.उन्होंने ऐसी जागृति को जन्म दिया जिसे साधारण बांग्ला रेनेसा कहते हैं|
9.बंगाल के रेनेसा की लहर धीरे-धीरे महाराष्ट्र, तमिलनाडु ,केरल, गुजरात, पंजाब तक हिंदी क्षेत्रों में पहुंच पहुंचती है|

8209837844 www.ugc-net.com

10. नवजागरण कालीन दक्षिण भारतीय समाज में भी अनेक अंतधारार्य चल रही थी| एक तरफ अंग्रेज विरोधी परंपरा थी तो दूसरी और समाज सुधार गतिविधियों भी प्रवाहमान थी|

11. दक्षिण के नवजागरण के केंद्र में तत्कालीन भारतीय समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था एवं रीति-रिवाजों का पुनरावलोकन करना था|

12. देश के अन्य भागों में उठने वाली इस लहर से हमारा उत्तर भारत भी अछूता नहीं रह सका| इन्हीं क्षेत्र में उठने वाली नवजागरण की लहरें ' हिंदी नवजागरण' कहलायी|

8209837844 www.ugc-net.com

13. हालांकि बंगाल व महाराष्ट्र की तुलना में उत्तरी भारत या यूं कहे कि हिंदी क्षेत्र में नवजागरण की चेतना देर से आयी क्योंकि

१.हिंदी क्षेत्र में कोई बंदरगाह नहीं थी जिससे व्यापारिक गतिविधियां तीवता से पनपती है|

२.मिशनरियों की वैसी सक्रियता नहीं थी| जिसकी प्रतिक्रिया यहां के लोगों में कोई प्रेरणा पैदा कर पाती|

14.ब्रिटिश साम्राज्यवाद का तीखा और 1857 की राज्यक्रांति का हमलावर प्रतिरोध अकेली ऐसी घटना थी जिसमें हिंदी क्षेत्र को बुरी तरह आलोडित किया था |

8209837844 www.ugc-net.com

15. हिंदी नवजागरण का जो स्वरूप उभरा उसकी समानता व तुलना बंगाल, महाराष्ट्र व दक्षिण भारत के नवजागरण से नहीं की जा सकती|

16.रामविलास शर्मा :- "हिंदी नवजागरण मूलत : बुद्धिवादी व रहस्यवादी विरोधी रहा है| औद्योगिककरण व आधुनिक विज्ञान का विरोध करने वाली विचारधारा का स्रोत गुजरात है |

17. सर्वविदित है कि बांग्ला नवजागरण का सारतत्व बुद्धितत्व था| वही हिंदी नवजागरण आरंभ से ही प्रगतिशील व साम्राज्यवाद विरोधी था|

8209837844 www.ugc-net.com

18. हिंदी क्षेत्रो में रूढ़िवाद व कलहवाद की जड़े सबसे ज्यादा गहरी थी| सामंती समाज की व्यवस्था की घनघोर गरीबी भुखमरी और शिक्षा व पीड़ित, पिछड़ापन था| वही अंग्रेजी शासक हिंदी समाज में व्याप्त धर्म का घनघोर अंतर्विरोध अलगाव पिछड़ापन व पाखंडों का लाभ उठा रहे थे तो पूरे समाज राष्ट्रभक्ति व राष्ट्रभक्ति के द्वंद से जूझ रहा था |
19. विडंबना यह थी कि विषम परिस्थितियों में भी बंगाल गुजरात व महाराष्ट्र की तरह हिंदी क्षेत्र में भी कोई वैचारिक क्रांति नवजागरण को लेकर सामाजिक व सांस्कृतिक स्तर पर नहीं हुई |

8209837844 www.ugc-net.com

20.यह कार्य हिंदी के साहित्यकारों के द्वारा संभव हो सका |
21. नामवर सिंह:- " हिंदी प्रदेश में नवजागरण का कार्य मुख्य समय स्वयं लेखक और साहित्यकारों को ही करना पड़ा क्योंकि यहां बंगाल और महाराष्ट्र की तरह पत्थर समाज सुधारक अगुवाई करने के लिए नहीं मिले"|
22.भारतेंदु इस नवजागरण के अवधूत थे | भारतेंदु का सीधा संपर्क ईश्वरविद्यासागर, केशवचंद्र सेन, बंकीम चंद्र ,सुरेंद्रनाथ बनर्जी आदि से थे |
23. अतः बांग्ला की विचारधारा का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक था|

धन्यवाद....

For More Information

8209837844

www.ugc-net.com

/Fillerform /Fillerform /Fillerform

info@fillerform.com